सैकड़ों टन अवैध बजरी का भंडारण जप्त, बजरी माफिया गैंग फरार

वन विभाग की भूमि पर आठ सौ टन बजरी का अवैध भंडारण किया हुआ था

देवली, (निसं)। निकटवर्ती हनुमान नगर थाना क्षेत्र में बजरी माफियाओं ने वन विभाग की भूमि पर अवैध बजरी का भंडारण किया हुआ था, जिस पर जहाजपुर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए आठ सौ टन अवैध बजरी के भंडारण को जप्त किया है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पूरी तैयारी के साथ पहुंचे लेकिन इससे पहले ही बजरी माफिया गैंग मौके से फरार हो गई। वन विभाग की भूमि पर भारी मात्रा में अवैध बजरी के स्टॉक को देख कर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के भी होश उड़ गए।

जहाजपुर में अधिकारियों ने वन विभाग की जमीन पर अवैध बजरी के भंडारण को जप्त किया।

- प्रशासन ने बजरी के स्टॉक को वन विभाग को सुपुर्द करते हुए सुरक्षित रखने के निर्देश दिए

कार्रवाई दौरान हनुमान नगर थाना प्रभारी अयूब खान ने बताया कि शाहपुरा पुलिस अधीक्षक राजेश कावंत के निर्देश पर अवैध बजरी खनन और परिवहन के विरुद्ध अभियान के तहत जहाजपुर तहसीलदार, पटवारी, वन विभाग, खनिज विभाग के अधिकारियों के संयुक्त दल ने लुहारी कला गांव के वन क्षेत्र में दबिश दी। इस दौरान उक्त संयुक्त दल को वन भूमि पर भारी मात्रा में अवैध बजरी का भंडार मिला। इस दौरान बताया कि यह अवैध बजरी का स्टॉक लगभग करीब आठ सौ टन का होगा। कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने उक्त बजरी के स्टॉक को वन विभाग को सुपुर्द करते हुए सुरक्षित रखने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि अभी हाल ही में 14 मई को हनुमान नगर थाना क्षेत्र के छोटी लुहारी गांव मे शाहपुरा कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत एवं एसपी राजेश कावट ने मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए 650 मेट्रिक टन अवैध बजरी के भंडारण को जब्त किया था। वहीं अभी हाल ही में 14 मई को हुई कार्रवाई के बाद भी बजरी माफिया के हौसले यहां बुलंद बने हुए हैं। इसके सबूत यह है कि यहां लूहारी गांव की वन भूमि पर फिर से प्रशासनिक अधिकारियों ने ढाई महीने बाद आठ सौ टन अवैध बजरी के भंडारण पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध बजरी जब्ती की कार्रवाई की है। उक्त दौरान भी कार्यवाही की सूचना लीक होने से बजरी माफिया और वाहन एवं जेसीबी मशीन लेकर मौके से फरार हो गए थे और इस बार भी वही हुआ।

राजकीय पीएम श्री उ.प्रा. विद्यालय की भूमि से अतिक्रमण हटवाया

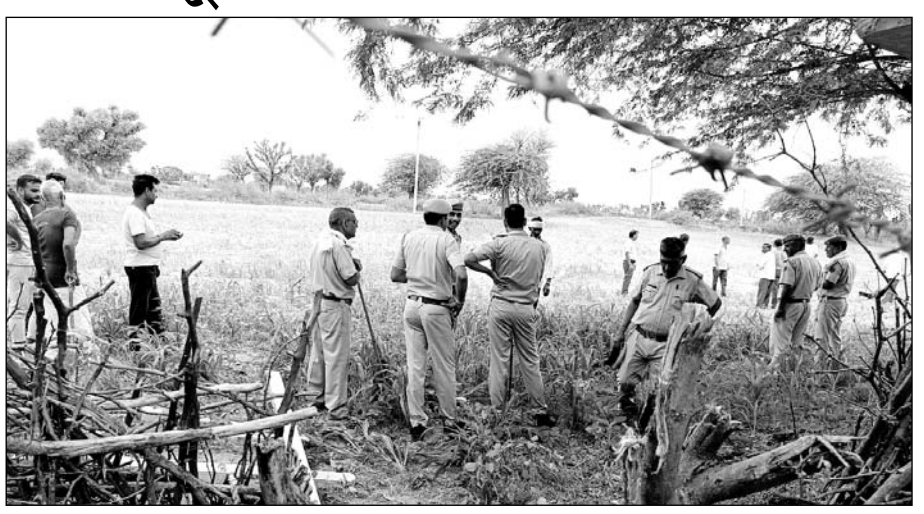

एडिशनल एसपी जयपुर ग्रामीण ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

सांभरझील, (निसं)। आखिरकार सत्य की जीत हुई और लंबी कानूनी और राजनीतिक लड़ाई के बाद सरकारी भूमि पर कई सालों से अतिक्रमण कर फसल उगाने, भूमि को चारों तरफ से बाड़बंदी कर उसमें छप्पर बनाकर कब्जा करने वाले अतिक्रमी के अतिक्रमण को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया।

पंचायत बरडोटी के ग्राम पीपला की ढाणी में स्थित राजकीय पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय की भूमि पर पिछले कई वर्षों से अतिक्रमण हो रखा था। उक्त अतिक्रमण को हटाने के लिए विद्यालय परिवार, एसएमसी सदस्य व समस्त ग्रामवासियों को तीन बार कोर्ट से आदेश लेने पड़े क्योंकि जब भी अतिक्रमण हटाने के आदेश की पालना में पुलिस प्रशासन, प्रशासन वहां पहुंचता लेकिन प्रभावशाली माने जाने वाले अतिक्रमी के आगे प्रशासन व राजस्व विभाग की टीम वापस लौट आती। बताया यह भी जा रहा है कि अतिक्रमी की ओर से पूरा राजनीतिक जोर भी लगा रखा था। इसी के चलते प्रशासन आदेश के बावजूद अतिक्रमण हटाने में पीछे हट रहा था। इधर गांव के लोगों ने भी मामला सीएम तक पहुंचाया और आखिरकार एडिशनल एसपी जयपुर ग्रामीण की मौजूदगी में राजस्व विभाग की टीम ने पत्थरगढी की, अतिक्रमण भूमि को चिन्हित किया। इसके बाद जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण हटवाया गया। इस दौरान भारी पुलिस जाप्ता तैनात रहा और विद्यालय परिसर को चारों ओर से घेर लिया गया।

मौके पर एडीशनल एसपी जयपुर ग्रामीण, नायब तहसीलदार सांभर, थानाधिकारी के साथ ही गिरदावर, 6 पटवारी, 2 एसआई, 4 एएसआई व लगभग 40 पुरुष-महिला कांस्टेबलों के जाप्ते के साथ कारवाई की गई तथा विद्यालय प्रशासन को कब्जा सुपुर्द किया गया। मौके पर संस्था प्रधान कुसुम सुत्रकार, अध्यापक महेश कुमावत, पोखरमल यादव, मेवाराम गुर्जर सोहन, ग्रामीण पवन कुमार नागा, रमेश चौधरी, लक्ष्मीनारायण नागा, प्रेमचंद कुमावत, बोदूराम गुर्जर, शंकर लाल यादव, रामेश्वर कुमावत, भंवर बंजारा, मालचन्द खटीक, प्रभुराम वर्मा सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। इधर अतिक्रमण हटने के बाद ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है और इसके लिए यहां के लोगों ने प्रशासन, पुलिस प्रशासन व मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

ट्रेलरों की भिड़ंत में दो घायल

हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गये।

भीलवाड़ा, (निसं)। बदनोर थाना क्षेत्र के नारमंगरा गांव के निकट हाइवे-158 पर दो ट्रेलरों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत दो युवक गंभीर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर बदनोर पुलिस मौके पहुंची और ट्रोले में फंसे ड्राईवर को बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकलकर हॉस्पिटल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार सीमेंट से भरे ट्रोले के ड्राईवर भंवर सिंह पिता खुशाल सिंह को बदनोर से ब्यावर जिला मुख्यालय रेफर किया गया और खाली ट्रक ड्राईवर को आसींद चिकित्सालय ले जाया गया। जहां उपचार जारी है। सूचना पर बदनोर थाना प्रभारी राज दीपेंद्र सिंह सहित पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा एवं दोनों तरफ लगे लंबे जाम को खुलवाकर मार्ग को सुचारू करवाया।

अत्यधिक जलभराव से कॉलोनी पानी से जलमग्न

भरतपुर के खादी कॉलोनी में मुख्य सड़क मार्ग पर जल भराव हो गया।

भरतपुर, (निसं)। जवाहर नगर के सामने स्थित खादी कॉलोनी में मुख्य सड़क मार्ग पर एवं सभी खाली प्लाटों में आसपास के एरिया से आ रहे पानी से जल भराव की समस्या पैदा हो गई है। जिससे आमजन को व बच्चों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी में बार-बार जल भराव की स्थिति को देखते हुए नगर विकास न्यास द्वारा माह सितंबर 2022 में कॉलोनी के सभी मार्गो के लिए सीसी सड़क हेतु 62.23 लाख की राशि स्वीकृत की गई थी।

सड़क के लिए टेंडर भी जारी किया गया था, लेकिन खादी कॉलोनी में सीसी सड़क निर्माण कार्य आज तक नहीं हुआ है। ठेकेदार द्वारा द्वारा कॉलोनी के सभी रैंप और जालियों को पिछले एक वर्ष पूर्व हटाया गया, जो अभी भी उसी स्थिति में हैं लेकिन ठेकेदार ने सीसी सड़क नहीं बनाई, जो भी कच्ची सड़क बनाई वह निर्धारित मापदंडों के अनुसार ऊंचाई व चौड़ाई नहीं ली गई, जिसके कारण कॉलोनी में जल भराव हो गया है। नगर निगम भरतपुर द्वारा सीवरेज एनओसी जारी कर दी गई है। उसके उपरांत भी सीसी सड़क नहीं बनाई है। दो वर्ष हो चुके हैं, यूआईटी के एक्सईएन डीपी शर्मा से बार-बार अनुग्रह किए जाने के बाद भी सड़क निर्माण कार्य नहीं हो रहा है ना ही उसकी गुणवत्ता की जांच कॉलोनी में आकर यूआईटी के किसी अधिकारी ने की है। इस समस्त प्रकरण का परिवाद विशेषाधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय जनसुनवाई केंद्र भरतपुर को भी दे दिया गया है जिसके द्वारा यूआईटी को पत्र लिखा गया है।

- जलभराव से आमजन को व बच्चों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

सभी कॉलोनीवासियों ने नगर विकास न्यास प्रशासन से कॉलोनी के जल भराव की निकासी के लिए निवेदन किया है। लेकिन पिछले तीन दिन से यूआईटी ने कोई प्रयास नहीं किया, जेईएन संतोष द्वारा खाली इंजन रखवा दिया है जिसका ठेकेदार उसको रखकर चला गया। सभी कॉलोनीवासियों ने विशेषाधिकारी मुख्यमंत्री जनसुनवाई केंद्र भरतपुर एवं जिला कलेक्टर को पत्र लिखते हुए मांग की है कि कॉलोनी के जलभराव की निकासी तुरंत की जाए तथा सीसी सड़क निर्माण कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण किया जाए एवं पिछले निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांच की जाए।

10 मजदूरों के मोबाइल चोरी

सीकर, (निसं)। राणीसती इलाके में कंस्ट्रक्शन साइट से 10 मजदूरों के मोबाइल चोरी होने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं चोरों ने मजदूरों के 10 हजार रुपए भी चुरा लिए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में दो संदिग्ध नजर आए हैं। बूंदी निवासी मजदूर रमेश ने ऑनलाइन शिकायत देकर बताया है कि राणीसती रोड पर राजेंद्र हॉस्पिटल के पास मार्केट का कंस्ट्रक्शन चल रहा है, जहां पर मजदूर अस्थाई रूप से बने कमरों में रहते हैं। बीती रात यहां से मजदूरों के 10 मोबाइल और 10 हजार रुपए चोरी हो गए। सुबह जब उठे तो चोरी का पता चला।

चोरों ने उपसरपंच के कुएं पर धावा बोला

अजमेर, (कासं)। मांगलियावास थाना क्षेत्र में बीती रात अज्ञात चोरों ने उपसरपंच के कुएं पर धावा बोलते हुए कुएं पर लगी केबल, बिजली मोटर सहित अन्य सामान चुरा कर फरार हो गए। पीड़ित उपसरपंच ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मांगलियावास पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मांगलियावास के उपसरपंच शंकरलाल पुत्र रामदेव पुनिया ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह ने बीती रात को उसके सिक्सलेन स्थित कुएं से बोरिंग की केबल, 150 फीट वायर, स्टार्टर तथा पाइप चुरा कर फरार हो गए, जिससे करीब बीस हजार का नुकसान हो गया। पीड़ित ने बताया कि चोर गिरोह द्वारा दो माह पूर्व भी पांच काश्तकार गोपीलाल पूनिया, भागचंद जाखड़, शंकर लाल पूनिया, रूपचंद तथा सोदान जाखड़ के कुएं से एक ही रात में करीब पचास हजार का सामान चुरा कर फरार हो गए थे, जिसकी पांचों कास्तकारों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन आज तक चोर गिरोह का सुराग नहीं लग पाया है।

करंट से युवक की मौत

पचेवर पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी मे पंचनामे की कार्यवाही की।

मालपुरा, (निसं)। पचेवर थाना क्षेत्र के बरोल गांव में रविवार को करंट की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई।

बरोल सरपंच हनुमान गुर्जर ने बताया कि बरोल निवासी कजोड़ (34) पुत्र कालू हरिजन जो कि रविवार को अपने घर में कपड़ों के प्रेस कर रहा था। इसी दौरान प्रेस में अचानक करंट दौड़ जाने से युवक करंट की चपेट में आ गया। युवक के चिल्लाने की आवाज सुन दौड़े परिजनों ने मकान की सप्लाई को बंद कर युवक को करंट के चंगुल से तो छुड़ा तो लिया लेकिन अचेत हुये युवक को मालपुरा के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे तो चिकित्सको ने स्वास्थ्य परीक्षण कर युवक को मृत घोषित कर दिया। बुजुर्ग मां-बाप की सेवा करने वाले कजोड़ के चार छोटी-छोटी संतानें हैं। ऐसें में कजोड़ की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पचेवर थाना पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी मे पंचनामे की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा।

दो हजार रुपये का इनामी अपराधी टोंक से गिरफ्तार

गौवंश तस्करी के प्रकरण में वांछित था आरोपी

बूंदी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने गो तस्करी के प्रकरण में वांछित दो हजार रुपये के ईनामी अपराधी प्रधान पुत्र दुलाराम निवासी प्रतापपुरा थाना डिग्गी को टोंक से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि टीम ने आरोपी के संभावित स्थानों पर काफी तलाश की थी। कुछ दिन पूर्व टीम के सदस्य रणजीत घटाला को ईनामी अपराधी प्रधान के संबंध में सूचना प्राप्त हुई कि प्रधान कुछ दिन पहले की डिग्गी, इस्लामपुरा ईलाके में आया हुआ है, जिस पर टीम आरोपी को तलाश करते हुए डिग्गी, प्रतापपुरा पहुंची जहां से इनामी बदमाश को डिटेन कर बूंदी लाया गया। ईनामी काफी समय से फरार चल रहा था व बूंदी पुलिस की ओर से दो हजार रुपये का ईनाम घोषित किया हुआ है। ईनामी अपराधी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में सदर सीआई भगवान सहाय, सहायक उप निरीक्षक हरिशंकर, कानि. प्रमोद शामिल रहे।

पुलिस ने गो तस्करी में वांछित ईनामी अपराधी को गिरफ्तार किया।

बुजुर्ग विधवा महिला का कच्चा घर धराशायी

कोदिया में बारिश से बुजुर्ग महिला का कच्चा घर धराशायी हो गया।

भीलवाड़ा, (निसं)। कोटड़ी उपखंड क्षेत्र के कोदिया गांव में शनिवार शाम को हुई झमाझम बारिश के चलते एक बुजुर्ग विधवा महिला का आशियाना धराशाई हो गया, जिसमें बुजुर्ग विधवा महिला निवास करती थी। ग्रामीणों ने बताया कि कोदिया गांव में शनिवार को हुई बारिश के चलते शाम को अलोल पत्नी भैरू सुथार का कच्चा केलूपोश घर धराशाई हो गया, लेकिन गनीमत रही कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई, हादसे के वक्त महिला घर से बाहर गई हुई थी, इसलिए वह बाल-बाल बच गई। वहीं घर में रखा खाने-पीने का सामान मलबे में दब गया। बाद में ग्रामीणों ने मलबे में दबे सामान को बाहर निकाला, घर के धराशाई होने से बुजुर्ग महिला का आशियाना उजड़ गया।

अनीता का अंतिम उपहार, अंगदान कर दे गई चार लोगों को नया जीवन

एक किडनी और लीवर का जोधपुर एम्स में तथा हृदय एवं एक किडनी का जयपुर एसएमएस में हुआ प्रत्यारोपण

जयपुर। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की पहल पर प्रदेश में अंगदान एवं प्रत्यारोपण का मानवीय मिशन मजबूती से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में रविवार को जोधपुर में एक ब्रेन डेड मरीज के अंगदान से 4 लोगों को नया जीवन मिला।

सड़क दुर्घटना की शिकार 25 वर्षीय महिला के परिवार ने जरूरतमंदों को जीवन का उपहार देने के लिए उसके अंगदान करने का फैसला किया। संभावित प्राप्तकर्ताओं के प्रत्यारोपण के लिए दानकर्ता की किडनी, लीवर और हृदय को निकाला गया। सोटो द्वारा किए गए आवंटन के अनुसार एक किडनी और लीवर एम्स जोधपुर को तथा दूसरी किडनी और हृदय एसएमएस अस्पताल जयपुर को आवंटित किया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने जयपुर एवं जोधपुर जिले के कलेक्टर्स से दूरभाष पर चर्चा कर ग्रीन कॉरिडोर सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। किडनी को सड़क मार्ग से एसएमएस जयपुर स्थानांतरित करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस की मदद से ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इसी प्रकार हृदय को पहले एम्स से जोधपुर एयरपोर्ट और फिर हवाई मार्ग से जयपुर लाया गया। उसके बाद ग्रीन कॉरिडोर बनाकर हृदय को जयपुर एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से एसएमएस लाया गया। इस तरह 25 वर्षीय अनीता 4 लोगों को नया जीवन देकर अपनी ओर से अंतिम उपहार दे गई, जो इन चार लोगों के माध्यम से जीवंत रहेगा।

ऑर्गन रिट्रीवल प्रक्रिया के बाद शव को पूरे सम्मान और प्रतिष्ठा के साथ परिवार को सौंपा।

- जोधपुर एम्स में 25 वर्षीय महिला ने किया अंगदान

जोधपुर एम्स में पहली बार किसी ब्रेन डेड मरीज का कार्डियक रिट्रीवल किया गया है, जिससे भविष्य में इस तरह की और प्रक्रियाओं का मार्ग प्रशस्त होगा। ऑर्गन रिट्रीवल प्रक्रिया को एम्स जोधपुर के ऑर्गन ट्रांसप्लांट टीम द्वारा कार्यकारी निदेशक प्रो. जीडी पुरी, ट्रांसप्लांट टीम के अध्यक्ष प्रो. एएस संधू और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दीपक झा की देखरेख में अंजाम दिया गया। ऑर्गन रिट्रीवल प्रक्रिया के बाद शव को पूरे सम्मान और प्रतिष्ठा के साथ परिवार को सौंप दिया गया।

इस पूरी प्रकिया के दौरान सवाई मानसिंह अस्पताल के डॉक्टर्स एवं सोटो की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑर्गन रिट्रीवल के लिए एसएमएस अस्पताल से यूरोलॉजी एवं कार्डियोथोरेसिक विभाग से चिकित्सकों की टीम रात को जोधपुर पहुंची। हार्ट रिट्रीवल के बाद सुबह कार्डियोथोरेसिक विभाग की टीम वापस अंग लेकर जयपुर पहुंची और यहां एसएमएस अस्पताल में पहले से तैयार ओटी में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया। इसी प्रकार सड़क मार्ग से आई किडनी का भी सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया गया। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि टीम में वरिष्ठ प्रोफेसर न्यूरोसर्जरी डॉ. मनीष अग्रवाल, सीटीवीएस सर्जरी के डॉ. राजकुमार यादव व डॉ. संजीव देवगढ़ा, एनेस्थिशिया से डॉ. रीमा मीना, डॉ. अंजुम सैयद, यूरोलॉजी से डॉ. रामदयाल एवं डॉ. नीरज अग्रवाल एवं टांसप्लांट कॉर्डिनेटर लीलम एवं रामरतन शामिल रहे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा है कि अंगदान के लिए फर्जी एनओसी प्रकरण के बाद विभाग ने निरंतर प्रयास कर प्रदेश में अंगदान कार्यक्रम को फिर मजबूती से खड़ा किया है। कमेटियों का पुनर्गठन करनं, एसओपी बनानं एवं अंगदान व प्रत्यारोपण की प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इसके चलते केंद्र सरकार ने भी अंगदान की दिशा में राजस्थान की प्रो-एक्टिव एप्रोच को सराहा है।